BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS
COMPILED BY MEDIA CELL (24.02.2025)

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE: 24.02.2025, PAGE-06

एलएलएम के लिए अगले महीने प्रवेश परीक्षा

मुजफ्फरपुर। बीआरए बिहार विवि में एलएलएम कोर्स के लिए अगले महीने प्रवेश परीक्षा होगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. सुबा लाल पासवान ने कहा कि प्रवेश परीक्षा की तैयारी की जा रही है। बीआरएबीयू में पहली बार एलएलएम के लिए प्रवेश परीक्षा होगी। इस कोर्स में 40 सीटों पर दाखिला होना है। बताया कि बीआरएबीयू में अभी सिर्फ एसकेजे लॉ कॉलेज में एलएलएम की पढ़ाई होती है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE:24.02.2025, PAGE-04

स्पेशल परीक्षा में फेल, अब कोई मौका नहीं

तीन वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम में पार्ट वन की अंतिम बार कराई गई थी स्पेशल परीक्षा

- अब स्नातक की डिग्री के लिए फिर से चार वर्षीय पाठ्यक्रम में लेना होगा नामांकन
- तीन वर्षीय पाठ्यक्रम की पढ़ाई सत्र 2023 से ही हो गई बंद 2023-27 से चार वर्षीय कोर्स

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय में टीडीसी पार्ट वन की स्पेशल परीक्षा में फेल होने वाले सैकड़ों छात्रों के हाथ से सुनहरा मौका निकल गया है। विशेष प्रविधान के तहत विश्वविद्यालय स्तर से आखिरी बार स्पेशल पार्ट वन की परीक्षा कराई गई थी। इसमें भी सैकड़ों छात्र अनुत्तीर्ण हुए। इस कारण उनका स्नातक के अन्य खंडों का परिणाम फंस गया है। ऐसे छात्रों को स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अब नए सिरे से चार वर्षीय स्नातक कोर्स में नामांकन लेना होगा। विश्वविद्यालय की ओर से स्पेशल पार्ट वन की परीक्षा शुरू करने से पहले ही इसकी घोषणा की गई थी। बताया गया था कि किसी कारणवश छूटे, फेल या प्रमोट या अनुपस्थित छात्रों को अंतिम मौका देते हुए स्पेशल परीक्षा कराई जा रही है। विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया था कि स्नातक कोर्स बदल गया है। अब चार वर्षीय स्नातक कोर्स में विद्यार्थियों का नामांकन हो रहा है। स्नातक के तीन वर्षीय पाठ्यक्रम की पढ़ाई सत्र 2023 से ही बंद हो गई है। इसकी जगह सत्र 2023-27 से चार वर्षीय कोर्स की शुरुआत की गई है।

पार्ट वन, टू क्लियर लेकिन स्पेशल पार्ट वन में फेल : टीडीसी पार्ट टू और टीडीसी पार्ट थर्ड की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद भी काफी संख्या में स्पेशल पार्ट वन में असफल हुए छात्रों का फाइनल रिजल्ट जारी नहीं हो सकेगा। कई छात्रों ने इसकी जानकारी विश्वविद्यालय को दी है। जब पहली बार पार्ट वन की परीक्षा हुई तो ऐसे छात्र प्रमोट हो गए। इसके बाद वे लगातार पार्ट टू और पार्ट थर्ड की परीक्षा में सफल हो गए। पार्ट वन में पास नहीं होने के कारण उनका फाइनल रिजल्ट जारी नहीं किया गया। इसके बाद ऐसे छात्रों को अंतिम मौका देकर पास करने का अवसर दिया गया, लेकिन स्पेशल पार्ट वन की परीक्षा में भी वे असफल हो गए हैं।

तीन सत्र के 22 हजार विद्यार्थी हुए थे शामिल

स्पेशल पार्ट वन की परीक्षा में तीन सत्रों के करीब 22 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए थे। इसमें फेल और प्रमोट हुए छात्र-छात्राओं को अपना रिजल्ट क्लियर करने का मौका दिया गया था। परीक्षा में 2019-22, 2020-23, 2021-24 और 2022-25 की प्रथम वर्ष की परीक्षा में प्रमोट, अनुपस्थित, फेल या छूटे हुए विद्यार्थी शामिल हुए थे।

दुबारा पीजी करने वालों को नहीं मिलेगा छात्रावास, बीआरएबीयू का कड़ा निर्णय

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: विश्वविद्यालय में कई विषयों में दुबारा पीजी की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा नहीं मिलेगी। इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से स्पष्ट निर्देश जारी किया गया है। विश्वविद्यालय को शिकायत मिली है कि कई छात्र दुबारा पीजी में नामांकन लेते हैं और इसी आधार पर वे फिर से छात्रावास के लिए आवेदन कर हास्टल प्राप्त कर लेते हैं। विश्वविद्यालय का मानना है कि इस कारण जरूरतमंदों को छात्रावास नहीं मिल पाता है। पिछले दिनों कई छात्राओं ने दुबारा नामांकन के आधार पर छात्रावास आवंटन के लिए विश्वविद्यालय में आवेदन किया है। इसके लिए वे लगातार कार्यालय में पहुंच रही हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से स्पष्ट कर दिया गया है कि दुबारा नामांकन लेने वालों को छात्रावास नहीं मिलेगा।

पढ़ाई पूरी कर चुके विद्यार्थियों को खाली करना होगा हास्टल

सत्र समाप्ति के बाद भी छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों को हास्टल खाली करना होगा। अगर उन्होंने जल्द ही छात्रावास खाली नहीं किया तो विश्वविद्यालय स्तर से अनुशासनिक कार्रवाई होगी। पीजी सत्र 2022 - 24 के तहत फोर्थ सेमेस्टर की परीक्षा पूरी हो चुकी है। ऐसे में महिला और पुरुष छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थी स्वेच्छा से कमरा खाली कर दें। ऐसा नहीं होने पर जुर्माना या अन्य कार्रवाई होगी। अब तक किसी कारणवश छात्रावासों का नवीनीकरण नहीं कराया है उन्हें जल्द से जल्द इस प्रक्रिया को पूरी करनी है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

Ref:..... **Date:.....**

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE: 24.02.2025, PAGE-04

बीआरएबीयू. विशेष प्रावधान में हुई परीक्षा में सैकड़ों छात्र अनुत्तीर्ण

फेल छात्रों को नये सिरे से लेना होगा स्नातक कोर्स में नामांकन

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

टीडीसी पार्ट वन की स्पेशल परीक्षा में फेल होने वाले सैकड़ों छात्रों के हाथ से बेहतर मौका निकल गया है. विश्वविद्यालय स्तर से आखिरी बार स्पेशल पार्ट वन की परीक्षा कराई गई थी. इसमें भी सैकड़ों छात्र अनुत्तीर्ण हुए हैं. इस कारण उनका स्नातक के अन्य खंडो का परिणाम फंस गया है. ऐसे छात्रों को स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अब नये सिरे से चार वर्षीय स्नातक कोर्स में नामांकन लेना होगा. बता दें कि स्पेशल पार्ट वन की परीक्षा में तीन सत्रों के करीब 22 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल हुए थे. इसमें तीन सत्रों में छूटे हुए, फेल और प्रमोट हुए छात्र-छात्राओं को अपना रिजल्ट क्लियर करने का मौका दिया गया था. परीक्षा में 2019 - 22, 2020 - 23, 2021 - 24 और 2022 - 25 की प्रथम वर्ष की परीक्षा में प्रमोट, अनुपस्थित, फेल या छूटे हुए विद्यार्थी शामिल हुए थे.

बता दें कि विश्वविद्यालय की ओर से स्पेशल पार्ट वन की परीक्षा शुरू करने से पहले ही इसकी घोषणा की गयी थी. बताया गया था कि किसी कारणवश छूटे, फेल या प्रमोट या अनुपस्थित छात्रों को अंतिम मौका देते हुए स्पेशल परीक्षा आयोजित हो रही है. विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया था कि स्नातक कोर्स बदल गया है. अब चार वर्षीय स्नातक कोर्स में विद्यार्थियों का नामांकन हो रहा है. स्नातक के तीन वर्षीय पाठ्यक्रम की पढ़ाई सत्र 2023 से ही बंद हो गयी. इसके स्थान पर सत्र 2023-27 से चार वर्षीय कोर्स की शुरुआत की गयी है.

फी की एकरूपता को लेकर नामांकन समिति की बैठक आज

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

- एक ही कोर्स का कॉलेज और पीजी विभागों में अलग-अलग शुल्क की शिकायत

नामांकन प्रक्रिया में पीजी विभागों में शुल्क की एकरूपता को लेकर नामांकन समिति की बैठक सोमवार को होगी. जिसमें बीए बीएड और बीएससी बीएड के विद्यार्थियों का पीजी कोर्स में नामांकन पर भी फैसला होगा. बैठक कुलपति की अध्यक्षता में होगी. विश्वविद्यालय की ओर से सभी सदस्यों को इसकी जानकारी भेजी गयी है. कई पीजी विभागों में नामांकन शुल्क के साथ-साथ अन्य शुल्क वसूले जा रहे हैं. इसकी शिकायत पिछले दिनों सामान्य छात्र-छात्राओं से लेकर छात्र नेता भी कर चुके हैं. एक ही कोर्स का कॉलेज और पीजी विभागों में अलग-अलग शुल्क है. इसे भी दूर करने पर सहमति बनेगी. दूसरी ओर कई विषयों में नामांकन से वंचित विद्यार्थियों के लिए दोबारा आवेदन को एडिट करने का विकल्प मिलेगा. इसके लिए विश्वविद्यालय की ओर से समय दिया जाएगा. छात्र पोर्टल पर जाकर लॉग-इन और पासवर्ड का इस्तेमाल कर विषय में बदलाव कर सकेंगे. केवल हिंदी और इतिहास जैसे विषयों में यह सुविधा नहीं मिलेगी. इसका कारण इन विषयों में आवेदकों की संख्या काफी अधिक है. दूसरी ओर कई ऐसे भी विषय हैं जहां नामांकन कम हुआ है.

बैठक में कुलपति के साथ शामिल होंगे सदस्य :कुलपति प्रो. डीसी राय की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में सभी पीजी विभागों में फीस की एकरूपता से लेकर और नामांकन में किसी अन्य प्रकार का विकास आदि मद में शुल्क नहीं लिए जाने पर सहमति बनेगी. बैठक में वाणिज्य, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान के संकायाध्यक्ष, पीजी मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष, पीजी गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष, आरबीबीएम कालेज की प्राचार्य, एसआरकेजी कालेज सीतामढ़ी के प्राचार्य, विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में मानविकी के संकायाध्यक्ष, प्राक्टर प्रो. बीएस राय, रजिस्ट्रार डा. संजय कुमार शामिल होंगे. वहीं सदस्य सचिव डीएसडब्ल्यू डा. आलोक प्रताप सिंह होंगे.